दिल्ली दुग्ध योजना के संयंत्रों की उत्पादन क्षमता

574. **श्री ईश दत्त यादव** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली दुग्ध योजना के अधीन विभिन्न संयंत्रों की वर्तमान उत्पादन क्षमता क्या है ;

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान उत्पादित विभिन्न उत्पादों की मात्रा क्या है ; और

(ग) इन संयंत्रों की उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने के लिए गत तीन वर्षों के दौरान क्या प्रयास किये गये हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रन): (क) दिल्ली दुग्ध योजना की वर्तमान उत्पादन क्षमता 5.88 लाख लीटर दूध प्रति दिन है।

मद	यूनिट	1988-89	1989-90	1990-91
दूध	लाख लीटर	1446.79	1623.88	1873.19
घी	मीटरी टन	533	896	328
टेबल बटर	मीटरी टन	56	82	33
सुगंधित दही (कप)	संख्या लाख में	3.82	6.59	10.41
सुगंधित दूध	संख्या लाख में	3.91	3.06	3.65

(ग) दिल्ली दुग्ध योजना की क्षमता, अप्रैल, 1990 से 3.75 लाख लीटर प्रति दिन से बढ़ाकर 5.000 लाख लीटर प्रति दिन कर दी गई है ।

Shrimp and fish culture project in Andhra Pradesh

575. SHRI P. UPENDRA : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether the World Bank has agreed to finance the shrmp and fish culture project in Andhra Pradesh ;

(b) if so, by when the project is likely to be completed ; and

(c) whether the World Bank has agreed to finance similar projects in other States?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI MULLAPPALLY RAMACHANDRAN) : (a) Yes. Sir.

(b) The project which is proposed to be taken up for implementation from May ,1992 is likely to be completed after seven years *i.e.* by 1999.

(c) Yes, Sir. This project will be taken up for implementation in Bihar, Orissa, Uttar Pradesh and West Bengal as well.

कृषि अनुसंधान और शिक्षा पर व्यय

576. **श्री राम नरेश यादव** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में, अन्य विकासशील देशों की तुलना में कृषि अनुसंधान और शिक्षा पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद का कितना प्रतिशत खर्च किया जा रहा है ;

(ख) क्या यह सच है कि गत पांच वर्षों के दौरान उसमें लगातार गिरावट आ रही है; उसके क्या कारण हैं ? और

(ग) यदि हां, तो सरकार बढ़ती हुई जनसंख्या की आवश्यकता की चुनौती को पूरा करने के लिए क्या कदम उठाने का विचार रखती है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रन) (क) पिछली चार योजनाओं की अवधि में कुल राष्ट्रीय उत्पाद का कृषि अनुसंधान और शिक्षा पर खर्च किया गया प्रतिशत नीचे दिया जा रहा है :—

पंचवर्षीय योजना	भा०कृ०अ०प० का कुल व्यय (रु० करोड़ में)	कुल समग्र रा० उ० (वर्तमान मूल्यों के आधार पर) (रु० करोड़ में)	समग्र राष्ट्रीय उत्पाद का व्यय प्रतिशत
IV	127.46	221238	0.0576 प्र०श०
V	181.30	301115	0.0602 प्र०श०
VI	547.72	817721	0.0670 प्र० श०
VII	973.73	1522573	0.0639 प्र०श०

अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान प्रकाशन (नवम्बर, 1981) जिसका नाम "रिसर्च एलोकेशन टु नेशनल एग्रीकल्चरल रिसर्च: ए रिव्यु आफ थर्ड वर्ल्ड सिस्टम्स" है के अनुसार प्रति व्यक्ति समग्र रा० उ० स्तर के आधार पर समूहकृत किये गये 41 विकासशील देशों में किये गये अनुसंधान व्यय के विश्लेषण के अनुसार 1970–80 में व्यय की वृद्धि दरों से पता चला कि भारत में प्रति वर्ष व्यय की वृद्धि दर 6.53 प्र.श. थी, जबकि अधिकतम व्यय की वृद्धि-दर 36.96 प्र.श. थी। कुल 41 विकासशील देशों में से 22 देशों में अधिक व्यय की वृद्धि दर दर्ज की गई, जबकि शेष 19 देशों में वृद्धि दर भारत से कम थी, जो न्यूनतम प्रति वर्ष 0.48 प्र.श. थी।

(ख) जी, हां, छठी योजना की तुलना में सातवीं योजना के दौरान कुल राष्ट्रीय उत्पाद में से कृषि अनुसंधान और शिक्षा के अंतर्गत भा०कृ०अ०प० के व्यय के प्रतिशत में कमी आई (जो कि 6.06939 प्र.श. थी, जबकि छठी योजना में यह 0.0670 प्र.श. थी) पिछले पांच वर्षों में छठी योजना के प्र.श. (0.0670 प्र.श.) की तुलना में निरंतर गिरावट आई है। सातवीं योजना 1985–90 के पांच वर्षों में से प्रत्येक के प्रतिशत आंकड़े ये हैं :— 0.0653, 0.0657, 0.0617, 0.0607 और 0.0664। इस निरंतर गिरावट का कारण वित्तीय बाधायें हैं।

आंकड़ों से पता चलता है कि कृषि अनुसंधान और शिक्षा पर आबंटन चौथी से पंचवर्षीय योजना में अधिक बढ़ा और पांचवीं से छठी योजना में अधिक बढ़ा। यह वृद्धि-दर क्रमशः 5.4 प्र.श. और 11.3 प्र.श. थी। फिर भी, सातवीं योजना की अवधि में छठी योजना की तुलना में कुल राष्ट्रीय उत्पाद के कृषि अनुसंधान और शिक्षा पर आबंटन में 4.6 प्रतिशत की गिरावट आई।

(ग) योजना आयोग द्वारा गठित कृषि अनुसंधान और शिक्षा पर कार्य-दल ने सातवीं पंचवर्षीय योजना कार्यक्रमों की समीक्षा की और कृषि अनुसंधान और शिक्षा को नयी गतिशीलता प्रदान करने के लिए क्रियान्वयन की नीति पर अपने सुझाव दिये। दल ने नई उभरती हुई चुनौतियों पर विशिष्ट निष्कर्ष और सुझाव दिये। ये चुनौतियां हैं—विज्ञान की नई दिशायें और आधारभूत क्षेत्र, क्षेत्रीय और जिंस वार असंतुलन को दूर करने के सुधारक उपाय, आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से कमजोर क्षेत्रों के लिए अनुसंधान और प्रशिक्षण सम्पर्कों को सुदृढ़ीकृत करना, वित्तीय आवश्यकता और प्रबन्ध। योजना कमीशन, कार्य-दल की सिफारिशों के

आधार पर भा.कृ.अ.प. के प्रायोजनों प्रस्तावों/कार्यक्रमों को तैयार कर योजना आयोग को प्रस्तुत किया गया है।

आठवीं योजना के दौरान जोर दिये जाने वाले क्षेत्रों के भा.कृ.अ.प./कृ.अ.शि.वि. योजना कार्यक्रमों, सुदृढ़ीकरण कार्यक्रमों और नई योजनाओं के लिए प्रस्तावित धनराशि 2,008 करोड़ रु० है। प्रस्ताव योजना आयोग के विचाराधीन है। आशा की जाती कि इन प्रायोजनाओं/कार्यक्रमों से बढ़ती आबादी की चुनौतियां कारगर ढंग से पूरी की जा सकेंगी।

Agriculture potential

577. SHRI KRISHAN LAL SHARMA : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that India's agriculture has not achieved even 40 percent of its production potential ;

(b) whether it is also a fact that its aunual growth rate is slow as compared to that in other developing countries ; and

(c) if so, what steps Government propose to take to bring India's agriculture at par with other developing countries?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI MULLAPPALLY RAMACHANDRAN) : (a) Yes, Sir. A large proportion of production potential of India's Agriculture is yet to be achieved.

(b) No, Sir. The compound growth rate of agricultural production for India has been 3.87% per annum as against a growth rate of 3.36% per annum for all the developing countries taken,together during 1979 to 1990.

(c) The Government has continuously been taking various measures to accelerate the growth of agricultural production. To increase the Agricultural Production further, a number of crop production oriented programmes are being implemented by the Central Government, in selected districts of different State. The schemes under implementation are:

(i) Special Foodgrains Productien Programme SFPP)- Wheat. Pulses and Maize & Millets.

(ii) National Pulses Development Project (NDPP)

(iii) Oilseeds Production Programme (OPP)

(iv) Integrated Programme of Rice Development (IPRD)

(v) Integrated Cotton Development Programme (ICDP)

(vi) Integrated Jute Development Programme (DDP) and

(vii) Assistance to Small and Marginal Famers for construction of Shallow tubewells/dugwells.

Drought affected districts of Rajasthan

578. DR. G. VIJAYA MOHAN REDDY : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that mass migrations are taking place from the drought affected districts of Rajasthan if so what are the details in this regard; and

(b) what steps Government propose to take to meet the situation?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURB (SHRI MULLAPPALLY RAMACHANDRAN) . (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

579. श्री अजीत जोगी :
कुमारी सुशीला तिरिया :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों के दौरान देश में कृषि विश्वविद्यालयों द्वारा किये गये अनुसंधान कार्य का ब्यौरा क्या है; और

(ख) सरकार द्वारा कृषि विश्वविद्यालयों को नवीनतम उपकरणों तथा सुविधाओं से सज्जित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं ?

कृषि मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रन) (क) : महोदय, कृषि विश्वविद्यालयों ने अधिक पैदावार वाली किस्मों और संकरों, फसल उत्पादन प्रौद्योगिकी, बागवानी, पशुपालन और डेरी